सुविचार

आपकी जिन्दगी बहुत ही अनमोल और सुन्दर है, इसे फालतू और बेकार बातों में नहीं गवाएं।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

संपादक :- नागेश नरवरिया

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 6, अंक-86 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 28 जनवरी 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

वन विभाग के द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रफुल्ल मेश्राम सहायक परियोजना परीक्षेत्र अधिकारी सह डिपो अधिकारी नर्मदा नगर खंडवा,संजय जंभारे डिप्टी रेंजर परियोजना मण्डल अधिकारी बरघाट सिवनी व अन्य वनकर्मियो को पुरस्कृत किया गया

भोपाल। वन विभाग के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले वनकर्मियों को भोपाल में आयोजित 26 जनवरी 2022 के कार्यक्रम में शामिल हुए वन कर्मियों को उनके द्वार किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए प्रदेश भर से आए हुए वन कर्मियों में प्रफुल्ल मेश्राम व अन्य वन कर्मियों को विभागीय अधिकारियों के द्वारा समानित किया गया है। प्रफुल्ल मेश्राम खंडवा रेंज नर्मदा नगर के द्वारा विभाग को 38 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त कराया गया। मध्य प्रदेश वन विकास निगम द्वारा दो नंबर डिपो में सागौन की लकड़ी की बिक्री के लिए नीलामी का आयोजन किया गया था जिसमें सागोन की कीमती लकड़ियों की नीलामी से शासन को 38 करोड़ का राजस्व प्राप्त कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार वन विकास निगम द्वारा दो नंबर डिपो में सागौन की लकड़ी की बिक्री के लिए नीलामी हुई जिसमें गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल सहित प्रदेश के सैकड़ों ठेकेदार क्रय करने के लिए पहुंचे

थे। जिसमें वन विकास निगम मध्य प्रदेश शासन को 38 करोड़ का राजस्व प्राप्त कराया। इस मौके पर प्रफुल्ल मेश्राम सहायक परियोजना परीक्षेत्र अधिकारी

सह डिपो अधिकारी नर्मदा नगर खंडवा सुधीर सिंह, चरण सिंह, उमेश गोयल, डी आई एस एन डी ए सज्जन सिंह एवं विशाल शर्मा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे। संजय जंभारे डिप्टी रेंज बरघाट परियोजना अधिकारी उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए भी सम्मानित किया गया।

रिश्ता

रिस्तो के शहर वीरान होने लगते है जब
झूट के बाजार में पंख लग जाते है

चाहे रिस्ते खून के हो या दोस्ती के
सच कहने में रिश्ता टूटने लगते है

झूट का साथ दु तो समुंदर रुठ जाते है
दिलो के जख्म में बहुत कुछ छूट जाते है

उम्र कैद की तरह होते थे कुछ रिश्ते
जमानत देकर भी रिहाई नही देते है

हबाओ ने बहुत कोशिश की मुझे गिरने का
हमने भी ठान लिया था रिश्ता निभाने का

मोहन मांढरे

हृदय की आवाज

तीनों ऋतुओं में,
धधकता अंगारा हूं।
मानवता का प्रतीक ,
शोषितों की हुंकार हूं।
इंसानियत का जोड़,
कुप्रथाओं का तोड हूं।
दुनिया का बाजीगर,
बागों का खिदमददार हूं।
रोगियों का नब्बाज,
संसार का नादिर हूं।
धन से नादार,
मन से अमीर हूं।
सूरज का प्रकाश पुंज,
चंदा की शीतलता हूं।
हृदय विशालकाय,
मन का सबूर हूं।
वाणी में मधुरता,
हर दिल अजीज हूं।
शराफत है व्यक्तित्व,
सबका मददगार हूं।

अंशु कवि
नारायण मासाब
होशंगाबाद

आम व्यक्ति कब एवं किस मजिस्ट्रेट से अपराध की शिकायत डारेक्ट कर सकता है जानिए/Legal General Knowledge...!

जब कोई अपराध भारतीय दण्ड संहिता की धाराओ के अंतर्गत संज्ञेय या असंज्ञेय हो तब व्यक्ति पुलिस में प्रथम सूचना देने के लिए जाता है पुलिस कुछ मामलों में FIR दर्ज कर लेती है एवं कुछ मामले में NRC राजिस्ट्रेट कर लेती है। लेकिन कभी कभी ऐसा होता है कि व्यक्ति कोई अपराध की शिकायत लेकर पुलिस थाने जाता है और उसकी शिकायत नहीं सुनी जाती है तब वह अपनी शिकायत जो वहाँ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास दर्ज करवा सकता है एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उस शिकायत का कैसे संज्ञान लेगा जानते हैं आज।

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 190 की परिभाषा -

अगर किसी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को निम्न प्रकार से रिपोर्ट या शिकायत मिलती है -

1. उन तथ्यों जिसमे अपराध बनता है उसका परिवाद(शिकायत) दर्ज होती है।
2. ऐसी तथ्यों के बारे में पुलिस रिपोर्ट द्वारा बताया गया हो अर्थात पुलिस की FIR पर।
3. कोई भी आम नागरिक जो मजिस्ट्रेट को अपराध की सूचना देता है कि अपराध किया है साक्ष्य सहित।

तब मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ऐसे अपराध पर तुरंत संज्ञान लेगा।

कोई भी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट(प्रथम श्रेणी का) किसी भी द्वितीय श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट को ऐसे अपराध की जाँच या विचारण के लिए शक्ति दे सकता है।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

राष्ट्रीय या राज्य की उबड़-खाबड़ सड़क(मार्ग) पर गिरकर व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त,मृत्यु हो जाए तब क्षतिपूर्ति के लिए कौन जिम्मेदार होगा जानिए/ legal General Knowledge...।

मोटर वाहन अधिनियम,1988 की धारा 166 के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति मुआवजे का दावा कर सकता है। एवं उसे न्यायालय द्वारा उपर्युक्त अधिनियम के अंतर्गत क्षति पहुँचनाने वाले व्यक्ति अर्थात संपत्ति के मालिक द्वारा पीड़ित व्यक्ति या परिवार वाले को प्रतिकार पाने का अधिकार होता है। लेकिन अगर उबड़-खाबड़ सड़क के कारण किसी व्यक्ति की दुर्घटना हो जाती है तब दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति या उसके परिवार वाले को प्रतिकार किसे प्राप्त करने का अधिकार होगा जानिए महत्वपूर्ण जजमेंट।

मधु कौर बनाम राष्ट्रीय राजधानी राज्य दिल्ली एवं अन्य-?

उक्त मामले में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। सड़क जगह-जगह पर टूटी-फूटी एवं उबड़ खाबड़ थी एवं उसमें गड्ढे बन गये थे। राज्य अधिकारियों ने उसका अच्छी दशा में रख रखाव नहीं किया था न ही सड़क पर बने गड्ढे के पास कोई चेतावनी का नोटिस लगवाया था। राज्य सरकार का दायित्व इसलिए समाप्त नहीं हो जाता कि मरम्मत करने के लिए ठेकेदार नियुक्त किया गया था। यह देखना राज्य सरकार का दायित्व है कि ठेकेदार कार्य को ठीक तरीके से करे। यदि राज्य कर्मचारियों की उपेक्षा के कारण नागरिकों का अनुच्छेद 21 के अधीन मूल अधिकार का उल्लंघन होता हैं एवं ऐसे में राज्य सरकार क्षतिग्रस्त व्यक्ति को प्रतिकर देने के लिए दायी होगी।

लेखक -
बी.आर.अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद)
982737665

कोरोना

कोरोना जब देश
के सामने खड़ा था
फ्रंटलाइन वर्कर
जिंदगी और मोत
से लड़ा था

हेल्थ वर्कर को हर
जन्म में पत्थर का
बनानां, क्योकि
कभी उसको
कोरोना नही होता
था

जिंदगी और मौत
से अहम होती है
यहाँ
डियूटी,कोरोना
जमानत देकर भी
रिहाई नही देता
था

शोहरत दौलत धरी
की धरी रहगाई,
कन्धा देने बाला
भी सरकारी
मलाजिम होता था

मरीज पड़ोस में
लेकिन वेरिटेक
लगा रहता था,
मंजर अजीब थे
तेरे शहर के लॉक
डाउन में रहता था

संडे हो या मंडे
दिन रात डियूटी
पर रहता था,
बिखर कर
निखरने का हुनर
भी खूब देता था

शहर में हर कोई
बिना मास्क के
घूम रह था
पुलिस भी जनता
की सुरक्षा की
खातिर लड़ी थी

हर किसी को
ऑक्सीजन ओर
दबाई की पड़ी थी
अस्पताल में जगह
नही एबुलेंस में
लाशें पड़ी थी

■ मोहन मांढरे

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा वर्चुअल सेमिनार मतदाता जागरूकता के ऊपर आयोजित किया गया

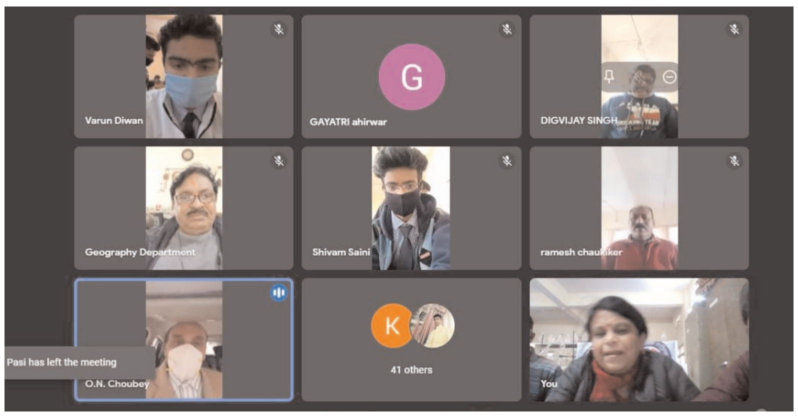

होशंगाबाद। मंगलवार को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा वर्चुअल सेमिनार मतदाता जागरूकता के ऊपर आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ औ एन चौबे जी ने वर्चुअल सेमिनार का उद्घाटन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा- प्रत्येक छात्र छात्राओं को मतदान में भाग लेना चाहिए द्य शासकीय महाविद्यालय बाबई के समाज शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ आर के चौकीकर ने मतदान की सामाजिक महत्ता की विवेचना की द्य प्रो डी एस खत्री जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना होशंगाबाद ने स्वयं सेवकों को गाँव गाँव जाकर मतदान करने की अलख जगाने का संदेश दिया द्य एल एल बी विभागाध्यक्ष डॉ बी एल राय ने युवा मतदान की आवश्यकता, जागरूक मतदाता की विशेषता बताई द्य डॉ कल्पना विश्वास विभागाध्यक्ष संगीत विभाग ने युवा मतदान की विशेषता एक जागरूक मतदाता की खूबियां तथा मतदान की महत्ता की विवेचना की द्य इस कार्यक्रम के टेक्निकल प्रभारी अश्विनी यादव ओर प्रियंका राय एवं समस्त रसायन विभाग ने अपनी सहभागिता देकर कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद की द्य एन एस एस स्वयंसेवको वरुण दीवान, शिवम सैनी, प्रीति सिंह, साक्षी शर्मा, अमन मेहरा ने विचार रखे द्य कार्यक्रम की संयोजक डॉ ईरा वर्मा ने सेमिनार का संचालन किया और डॉ सुनील कुमार दिवाकर ने आभार व्यक्त किया।

जिला कांग्रेस सहित अनुसूचित जाति वर्ग के संगठनों द्वारा कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन प्रभु राम चौधरी मुर्दाबाद के लगे नारे

गैरतगंज/रायसेन। गैरतगंज में सीसी सड़क लोकापर्ण पट्टिका में हरिजन मन्दिर शब्द को लेकर कांग्रेस पार्टी, अहिरवार, जाटव समाज संघ द्वारा रायसेन में मंत्री सहित एसडीएम, नगर पंचायत सीएमओ को घेरा, इनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने सौंपा कलेक्टर को ज्ञापन तहसील गैरतगंज मुख्यालय में वार्ड 7 में 4.93 लाख रुपए की लागत से नगर परिषद द्वारा स्वास्थ्य मंत्री के हाथों से अंजुम भाई के मकान से लेकर हरिजन मन्दिर तक सीसी सड़क रिन्युवल कोट के लोकापर्ण शिला में हरिजन शब्द इस्तेमाल करने से बवाल खड़ा हो गया है।सोमवार को दोपहर बाद नगर रायसेन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में और कांग्रेस अनुसूचित जाति जिला इकाई सहित कांग्रेसियों ने स्वास्थ्य मंत्री सहित गैरतगंज एसडीएम अभिषेक चौरसिया, नगर परिषद गैरतगंज सीएमओ रितु मेहरा के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए हरिजन जैसे शब्द का प्रयोग करने वाले जिम्मेदारों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की गई।यह ज्ञापन कांग्रेसियों ने महामहिम राज्यपाल के नाम डिप्टी कलेक्टर मकसूद अहमद खान को सौंपा है।वहीं अहिरवार, जाटव समाज जिला इकाई रायसेन ने भी लोकार्पण शिला पर हरिजन शब्द इस्तेमाल करने का कलेक्ट्रेट कार्यालय रायसेन पहुंचकर जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन कर डिप्टी कलेक्टर, कलेक्टर अरविंद दुबे को अलग-अलग ज्ञापन सौंपे गए हैं।ज्ञापन में बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट दिल्ली, हाइकोर्ट ने हरिजन शब्द को अपने निर्णय में विलोपित किया है तो गैरतगंज के प्रशासनिक ओहदे पर बैठे अधिकारियों के द्वारा लोकार्पण

पट्टिका में हरिजन मन्दिर शब्द फिर आखिर क्यों इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कोर्ट की घोर अवहेलना की है।उनकी गलती वास्तव में बिल्कुल माफी लायक नहीं है।उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाए। विरोध प्रदर्शन करने वालों में मनोज अग्रवाल वकील दौलत सेन, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष विकास शर्मा, राजू माहेश्वरी, प्रवक्ता मलखान रावत, असलम खान, अहिरवार समाज संघ के राजेश अहिरवार, बिमलेश जाटव, गौरव चौधरी,मोहन जाटव, बृजेश कुमार जाटव प्रेमनारायण ठाकरे, राजेश वर्मा आदि ने गलती करने वालों पर गैरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

तभी तो दिल्ली दुर है ??

छाया मस्ती
का सुरुर है
बहुजन मस्ती
में चुर है
तभी तो
दिल्ली दुर है
बहुमत का जमाना है
बहुजनो को सिखाना है
बहुमत से सांसद
बनते हैं
बहुमत से विधायक
बनते हैं
सवर्णो की संख्या
कम है
बहुजनो की संख्या
बहुत है
बहुजन फिर भी
मजबूर हैं
क्यो ? क्योकि
बहुजनो को
छाया मस्ती
का सुरुर है
बहुजन मस्ती
में चुर है
तभी तो
दिल्ली दुर है ?
पांच वर्ष तैयारी करते
आने वाले चुनाव का
सुधरना होगा बहुजनो
के
वोटो के बहाव का
चंद टुकड़ों में मत
बेच देते
अगले पांच साल की
मुसीबत लेते
दिल्ली में सवर्णो की
सरकार बनाते
बिकने वाला समाज
शासक नहीं बन
सकता
बहुजन समाज बिकने
वाला नहीं
टिकने वाला समाज
बनो
वोटों की अपने
कीमत समझो
शासक तुम खुद ही
बनो
बहुजन समाज दिल्ली
में बैठने
कब होगे आतुर है
अभी तो बहुजन
मजबुर है
कारण केवल एक है
छाया मस्ती
का सुरुर है
बहुजन मस्ती
में चुर है
तभी तो
दिल्ली दुर है ?
मत करो ,मत का
सौदा
बहुजन करो समझौता
बहुजन समाज की
सरकार बनाओं
सवर्णो को
दिल्ली से भगाओ
बहुजनो को अपने
संख्या का क्यो
होता नहीं गुरुर है
कारण
छाया मस्ती
का सुरुर है
बहुजन मस्ती
मे चुर है
बहजनो पर होते
अन्याय अत्याचार की
पराकाष्ठा देखो
सवर्णो के दिये
अत्याचार
सहकर भी
बहुजनो की सवर्णो
पर आस्था देखो
बहुजन की अधिकारों
का सवर्ण हनन करते
बहुजन फिर भी,
सवर्णो
का नमन करते
बहुजन इतना
क्यो मजबूर हैं
कारण
छाया मस्ती
का सुरुर है
बहुजन मस्ती
में चुर है
इसलिए तो
दिल्ली दुर है ?
जाति-पाति की
तोड़ दिवारें
एक दुसरे के
बनो सहारे
जिस दिन बहुजन
एक हों जाओगे
उस दिन बहुजन
दिल्ली के शासक
बन जाओगे
तब हम कहेंगे
दिल्ली नहीं
अब दुर है
बहुजनो में
एकता का
सुरुर है
शासक बनना
अब तो जरुर है

विचार क्रांति
हरीश पांडल

अंकुर कार्यक्रम के तहत जन सहभागिता द्वारा वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

होशंगाबाद। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में गुरुवार को अंकुर कार्यक्रम के तहत जन सहभागिता द्वारा वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज का कार्यक्रम मुख्य अतिथि आदरणीय श्री मनोज सरियाम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत होशंगाबाद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन से किया गया। अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अग्रणी महाविद्यालय के अंतर्गत सभी शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने अपनी सहभागिता दी। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय की संस्था प्रमुख डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया की हमारी पृथ्वी को एवं पर्यावरण को संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है और ये हम सभी का कर्तव्य भी बनता है की प्रत्येक व्यक्ति स्वयं भी जागरूक हो और दूसरों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करें। वृक्ष हमें जीवन दायनी प्राणवायु देते है और आज के

महामारी के दौर में ऑक्सीजन की नितांत आवश्यकता है। अतः सभी अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर स्वयं की एवं आने वाली पीढ़ी का भविष्य संरक्षित कर अपना दायित्व का निर्वहन करें। अंकुर योजना के अंतर्गत जिले के समस्त महाविद्यालय के लगभग 28000 विद्यार्थियों को जोडा जायेगा। उच्च शिक्षा विभाग इस उद्देश्य हेतु अपना पूर्ण प्रयास कर रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी के मोबाईल में वायुदूत ऐप डाउनलोड कराया जायेगा एवं वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाया जायेगा। सी.ई.ओ. होशंगाबाद श्री मनोज सरियाम जी ने सरकार द्वारा संचालित अंकुर योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का शुभारम्भ 22 मई 2022 को हुआ । इस योजना का उद्देश्य प्रदेश को हरा भरा बनाना और पर्यावरण में ऑक्सिजन की मात्रा को नियंत्रित रखना जिसकी पूर्ति के लिए वृहद् वृक्षारोपण एक अभियान के रूप में किया जाना है । इसके लिए सरकार ने विजेताओं के लिए प्राणवायु पुरस्कार की भी घोषणा की है। जिले के हर विभाग द्वारा इस अभियान को संचालित किया जा रहा है । महाविद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता अपेक्षित है, क्यूँकि नयी पीढ़ी द्वारा यह अभियान एक ऊर्जा के साथ सम्पन्न किया जा सकता इसलिए सभी महाविद्यालय इस वृक्षारोपण अभियान में स्वयं भी सहभागिता दर्शायें और अपने विद्यार्थियों को भी प्रेरित करें। कार्यक्रम में प्रशिक्षण महाविद्यालय की अंकुर एवं पर्यावरण समिति की संयोजक डॉ. रागिनी सिकरवार द्वारा दिया गया । उनके द्वारा वायुदूत ऐप के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। हमारे द्वारा किए जाने वाले प्रथम बार वृक्षारोपण का फोटो वायदूत ऐप से लेना है और फिर 30 दिन बाद पुनः उसी पौधें की फोटो ऐप से लेना है, इसी तरह प्रथम वृक्षारोपण के 180 दिन बाद तीसरी फोटो ऐप से लेकर इस योजना में प्रतिभागिता ली जा सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य स्वयं के द्वारा लगाए गए पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल करना है। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती आभा वाधवा द्वारा किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. किरण तिवारी पगारे, डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ. भारती दुबे, डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. संध्या राय, डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव एवं समस्त प्राध्यापकों ने अपनी उपस्थिति दी।

ऑफलाइन परीक्षा के विरोध में छात्र-छात्राओं ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा

होशंगाबाद।। देश-विदेश में बढ़ रहे कोरोना वायरस एवं कोरोना का नया ओमिक्रोन को हराने के लिए सरकार एवं प्रशासन बहुत सी गाइडलाइन जारी कर रही है। ऐसे में मध्यप्रदेश में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को कोरोना संक्रमण का डर सता रहा है क्योंकि मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों से ऑफलाइन परीक्षा ली जा रही है, छात्रों के साथ ड्यूटी शिक्षक को भी कोरोना का खतरा होता है क्योंकि वह भी एक हाल में 30 से 40 छात्रों की परीक्षा करवाते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कॉलेजों की ऑफलाइन परीक्षा रद्द कर दी गई है एवं हल ही में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने भी 20 जनवरी से होने वाली परीक्षण भी रद्द कर दी है मध्यप्रदेश में छात्र-छात्राओं के स्वस्थ का ध्यान रखना सरकार का कर्तव्य नहीं है। आज जिला होशंगाबाद में शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हो रही ऑफलाइन परीक्षा का विरोध किया एवं छात्रों ने महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. ओ.एन चौबे एवं जिला कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह को ऑनलाइन एवं ओपन बुक परीक्षा करवाने के लिए ज्ञापन सौपा। छात्र- छात्राओं ने बताया कि सरकार का प्राथमिक कर्तव्य होता है लोगों की सुरक्षा करना एवं उनको किसी संक्रमित रोग से बचाना लेकिन मध्यप्रदेश सरकार बच्चों के स्वस्थ का ध्यान न देकर अभी भी ऑफलाइन परीक्षा करवा रहा है जबकि जिला विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री सीताराम शरण शर्मा भी कोरोना संक्रामित हो गए हैं एवं जिले में भी कोरोना के मरीज बढ़ते जा रहा है।

अनूपपुर पुलिस की बड़ी सफलता पिकअप वाहन से 200 कि.ग्रा. अवैध मादक पदार्थ गांजा प्याज की आड़ में ले जा रहा था गांजा वाहन सहित कुल कीमत 24 लाख जप्त व 02 आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। पुलिस मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कि पिकअप वाहन में अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले कुछ अज्ञात व्यक्ति गांजा लेकर छत्तीसगढ़ की तरफ से थाना जैतहरी के रास्ते अनूपपुर की ओर बिक्री हेतु आने वाले हैं। इस सूचना को पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा गंभीरता से लेते हुये सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी जैतहरी के नेतृत्व में विषेष टीम गठित की गई। इसी अनुक्रम दिनांक 23.01.2022 को थाना जैतहरी में वाहन चेकिंग के दौरान मोजरवेयर तिराहा जैतहरी के पास जैतहरी रोड अनूपपुर में रोड़ के किनारे बिना नम्बर की एक पिकअप वाहन संदिग्ध हालत में खड़ी थी। पुलिस टीम के द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर 09 बोरी आलू एवं 06 बोरी में 200 पैकेट में कुल 200 किग्रा. अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा हुआ पाया गया। पिकअप वाहन में बैठे शिवम मिश्रा पिता राजेश मिश्रा उम्र 22 साल निवासी छुला कछार थाना पपौध एवं प्रभांशु

चौधरी पिता बाबूलाल चौधरी उम्र 25 साल निवासी घरौला मोहल्ला वार्ड नं0 17 शहडोल को गिरफ्तार किया गया। उक्त घटना पर थाना जैतहरी में अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 20बी के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपी शिवम मिश्रा पिता राजेश मिश्रा उम्र 22 साल निवासी छुला कछार थाना पपौध एवं प्रभांशु चौधरी पिता बाबूलाल चौधरी उम्र 25 साल निवासी घरौला मोहल्ला वार्ड नं0 17 शहडोल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल 200 किलो कीमत लगभग 20 लाख को जप्त किया गया एवं अवैध मादक पदार्थ गांजा के तस्करी में प्रयुक्त पिकअप वाहन जिसकी कीमत लगभग 04 लाख को भी जप्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा एक विशेष टीम गठित की गई है। जो गांजे के स्त्रोत के बारे में पता लगाएगी। जिससे अवैध मादक पदार्थ के परिवहन पर अंकुश लगेगा। नषे के विरुद्ध की गई इस प्रभावी कार्यवाही से गांजे के अवैध कारोबार में निष्चित रूप से अंकुष लगेगा। सम्पूर्ण कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अखिल पटेल के निर्देषन, अति0 पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अभिषेक राजन के मार्गदर्षन में एसडीओपी अनूपपुर सुश्री कीर्ति बघेल एवं थाना प्रभारी जैतहरी निरीक्षक के.के.त्रिपाठी, सउनि.शिवाकांत शुक्ला एवं थाना जैतहरी की विशेष टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विधायक कमरो ने साढ़े 8 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन व लोकार्पण

कोरिया/ मनेन्द्रगढ़। सविप्रा उपाध्यक्ष भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो ने शनिवार को अपने दौरा कार्यक्रम के दौरान विधानसभा क्षेत्र में कुल 8 करोड़ 69 लाख के बहुप्रतिक्षित विकास कार्यों काभूमि पूजन व लोकार्पण किया। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनका निराकरण भी किया। विधायक कमरो के नेतृत्व में भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र दिन-प्रतिदिन विकास के नये आयाम तय कर रहा है। शनिवार को विधायक द्वारा ग्राम पंचायत साल्ही में 19 लाख 63 हजार की लागत से निर्मित इंटरलाकिंग सड़क, ग्राम पंचायत बाला में 20 लाख की लागत से निर्मित नवीन पंचायत भवन एवं सह पीडीएस भवन तथा ग्राम पंचायत भह्लौर में 5 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया गया। वहीं उनके द्वारा ग्राम पंचायत डोमनापारा के बहेरा नाला में 15 लाख 13 हजार की लागत से बनने वाले पुलिया निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत भह्लौर स्थित खुरपी नाला में आरसीसी स्लैब पुलिया निर्माण 15 लाख, ग्राम पंचायत साल्ही स्थित नोनझरिया नाला में 5 लाख की लागत से पुलिया निर्माण, साल्ही के कर्मघोंघा मार्ग में 48 लाख 62 हजार की लागत से पुलिया निर्माण तथा साल्ही के ही खोंगरा मार्ग में 11 लाख 27 हजार की लागत से पुलिया निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। वहीं ग्रामीणों की मांग पर ग्राम पंचायत पेंड्री में सीसी सड़क निर्माण 5 लाख, ग्राम पंचायत घुटरा में घुटरा-मुसरा सीसी सड़क निर्माण 6 करोड़ 9 लाख,

इसी ग्राम पंचायत के मिडिल स्कूल फाटपानी में सीसी सड़क 42 लाख, ग्राम पंचायत मुसरा के जुनहापारा फूटाडॉड़ व ग्राम पंचायत महाई के मुरलीडांड़ में 5-5 लाख की लागत से सीसी सड़क निर्माण, ग्राम पंचायत महाई के चुहियापारा में आरसीसी पुलिया निर्माण 19 लाख 53 हजार, ग्राम पंचायत बिहारपुर के शिवधारा में शेड निर्माण कार्य 5 लाख, ग्राम पंचायत बाला में प्राथमिक शाला छछा से माध्यमिक शालाडुलकू मार्ग में नकबंदा नाला में पुलिया निर्माण 19 लाख 96 हजार तथा ग्राम पंचायत सोनहरी के ग्राम नगवा से प्राथमिक शाला हंसपुर मार्ग में स्थित धुनैठी नाला में 18 लाख 67 हजार की लागत से बनने वाले आरसीसी पुलिया निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सभापति ऊषा सिंह, जनपद अध्यक्ष डॉ विनय शंकर सिंह, उपाध्यक्ष राजेश साहू, जनपद सदस्य,सीईओ बीएल देहरी, रोशन सिंह, कृष्णा सिंह सुभागिनी रॉय, रम्मी बाई, सरपंच भवन सिंह, ज्योति सिंह, रामबाई, नारायण, सुशीला, बलदेव सिंह, अगसिया, सुनीता सिंह,अनिता चेरवा,विधायक निज सहायक सगीर खान,अशोक कुमार सिंह,जिला प्रातिनिधि रंजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनधि व ग्रामीण जन उपस्थित रहे। विकास के हर पहलू में अव्वल होगी प्रदेश की पहली विधानसभा विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि पूजन के दौरान उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि प्रदेश की आत्मा गांवों में बसती है। ग्रामीण अंचलों के समुचित विकास के लिए कांग्रेस सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश में लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं का परिणाम है कि विगत 3 वर्ष में प्रदेश के किसानों की आमदनी बढ़ी है और किसान समृद्धि की राह पर आगे बढ़े हैं। कोरोना काल में भी राज्य की आर्थिक स्थिति अन्य राज्यों से बेहतर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में प्रदेश की प्रथम विधानसभा का दर्जा प्राप्त भरतपुर-सोनहत विधानसभाक्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ विकास के हर पहलू में अव्वल होगा।

100 पाव अंग्रेजी गोआ शराब जप्त।

अवैध शराब की तस्करी करते एक युवक गिरफ्तार, एक फरार।

कोरिया। मध्यप्रदेश की शराब को अवैध तरीके से लाकर क्षेत्र में बिक्री करने वालों पर पुलिस का शिकंजा अब कसने लगा है। शनिवार को पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही में एक युवक को 100 पाव गोआ शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया और उसका एक सहयोगी फरार होने में कामयाब हो गया जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। पुलिस अधीक्षक कोरिया प्रफुल्ल कुमार ठाकुर द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थ,जुआ, सट्टा, कबाड़ पर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया था जिसका असर अब साफ दिखने लगा है। शनिवार को मनेन्द्रगढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की 2 युवक मध्यप्रदेश की अवैध शराब को पल्सर मोटरसाइकिल से मिलनपथरा मार्ग से होते हुये मनेन्द्रगढ़ की ओर आ रहे हैं। मुखबिर की सूचना से तत्काल पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर को अवगत कराया गया तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मधुलिका सिंह एवं एसडीओपी मनेंद्रगढ़ राकेश कुमार कुर्रे के निर्देशन में मनेंद्रगढ़ पुलिस टीम द्वारा मिलनपथरा चनवारीडांड मार्ग पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन पुलिस को देख कर वाहन चालक वहां से गाड़ी लेकर फरार हो गया। पीछे बैठे व्यक्ति को पकड़ लिया गया जिसके कब्जे से 100 नग गोवा शराब की बोतल प्रत्येक में 180 द्रव्य मिली। आरोपी प्रीतम यादव उर्फ टिंकू पिता राम प्रसाद यादव उम्र 21 साल निवासी पटना जिला कोरिया को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया और फरार आरोपी की सरगर्मी से पतासाजी की जा रही है जिसे शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा। सम्पूर्ण कार्यवाही में सहायक उपनिरीक्षक बीके सिंह, आरक्षक राकेश शर्मा, सैनिक विनीत सोनी की सराहनीय भूमिका रही।

मप्र में पदोन्नति में आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शर्तों को कम करने से किया इंकार

भोपाल। मध्य प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पौने छह साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने पदोन्नति में आरक्षण मामले का फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में एससी-एसटी के लिए पदो?नति में आरक्षण को लेकर शर्तों को कम करने से इंकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार एससी-एसटी के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण देने से पहले मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए बाध्य है। इसकी अवधि क्या होगी, यह केंद्र

सरकार तय करे। गुरुवार को इस मसले को लेकर प्रदेश के मंत्रालय में भी चहलकदमी रही। पदोन्नति का विकल्प तलाश करने के लिए गठित की गई मंत्रिमंडल उप समिति की बैठक भी हो गई। मध?य प्रदेश में अप्रैल 2016 से पदोन्नति में रोक है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल को मप्र लोक सेवा (पदोन्नत) नियम 2002÷ खारिज कर दिया था। इसके बाद से अधिकारी और कर्मचारी पदोन्नति को लेकर परेशान हैं और लगातार सरकार से पदोन्नति शुरू करने की मांग कर रहे हैं। इस अवधि में 60 हजार से अधिक कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इनमें से 32 हजार कर्मचारी बगैर पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सामान्य वर्ग के अधिकारियों और कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पदो-?नति? में आरक्षण नियम खारिज किए थे। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई और मई 2016 में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने प्रकरण में यथास्थिति के निर्देश दे दिए। तभी से प्रदेश में पदोन्नति पर रोक लगी है।

अनुसूचित जाति (एससी) के युवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर एक प्रतियोगिता आयोजन,डॉ. अम्बेडकर यंग एंटरप्रेन्योर्स लीग

हमें आपको यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि आईएफसीआई वेंचर कैपिटल फंड्स लिमिटेड द्वारा अनुसूचित जाति (एससी) के युवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर एक प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है यह प्रतियोगिता डॉ. अम्बेडकर यंग एंटरप्रेन्योर्स लीग (एवाईई लीग) के नाम से आयोजित की जा रही है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का लक्ष्य पूरे देश के अनुसूचित जाति के युवाओं द्वारा उद्यमिता के क्षेत्र में नवीन विचारों की खोज करना है। इसमें आवेदन शुरू करने की तिथि दिनांक 21 जनवरी 2022 एवं अंतिम तिथि 15 फरवरी 2022 है

एवाईई लीग के तहत आवेदन करने के लिए, पात्रता मानदंड निम्नलिखित है

प्रतिभागी के पास वैध अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय प्रमाणपत्र होना चाहिए। प्रतिभागी की आयु 18 वर्ष और उससे अधिक होनी चाहिए। प्रतिभागी के पास आर्थिक रूप से समृद्ध एक इनोवेटिव बिजनेस आईडिया होना चाहिए। एवाईई लीग का संक्षिप्त विवरण

यह प्रतियोगिता 2 चरणों में आयोजित की जाएगी:

चरण 1 - स्क्रीनिंग राउंड इसमें सभी अनुसूचित जाति के आवेदक,जिनकी उम्र 18 वर्ष और उससे अधिक हो और जो एक नवोन्मेषी व्यावसायिक विचार पर काम कर रहे है, वे इस प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते

हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र परियोजना/नवाचार के विवरण और एक वैध अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र के साथ पूरी तरह से भरा जाना चाहिए। अंतिम तिथि तक प्राप्त सभी आवेदनों को एक प्रतिष्ठित जूरी द्वारा शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। योग्य पाए गए आवेदनों को स्टेज 2 पर आगे बढ़ाया जाएगा।

चरण 2 -अंतिम दौरः दूसरा चरण देश के कुछ प्रमुख शहरों मे, कुछ प्रतिष्ठित भागीदार संस्थानों के साथ मिलकर, कोविड प्रोटोकाल को ध्यान मे रखते हुए ऑनलाईन या ऑफलाईन मोड मे आयोजित किया जाएगा। स्टेज 1 के शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को स्टेज 2 में चयन पैनल / जूरी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने होंगे। स्टेज 2 के विजेताओं को एवाईई लीग के विजेता के रूप में घोषित किया जाएगा और उन्हें 30 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता के लिए विचार किया जाएगा। यह आर्थिक सहायता अंबेडकर सोशल इनोवेशन इनक्यूबेशन मिशन योजना के दिशानिर्देशों के तहत 3 साल की अवधि के लिए होगी ।

एवाईई लीग के विजेताओं के लिए पुरस्कार इस प्रकार हैः नवोन्मेष के लिए खर्च को पूरा करने के लिए अंबेडकर सोशल इनोवेशन इनक्यूबेशन मिशन के तहत 30 लाख रुपये तक की इक्विटी फंडिंग।

मेंटरशिप और हैंडहोल्डिंग सपोर्ट।

प्रमुख संस्थानों में कौशल विकास का अवसरः मेगा इवेंट - एवाईई लीग के विजेताओं को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले मेगा इवेंट में उनके अभिनव विचारों के लिए सम्मानित किया जाएगा। हम आप सभी को इस राष्टीय कार्यक्रम में भाग लेने और पूरे भारत में अनुसूचित जाति के युवाओं की बड़ी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं। आपकी भागीदारी कार्यक्रम को अत्यधिक महत्व देगी। उपरोक्त प्रतियोगिता का विज्ञापन भी समाचार पत्रों में जारी किया गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया एंड इकोनॉमिक टाइम्स÷ संस्करण दिनांक 21 जनवरी 2022। विज्ञापन की क्लिपिंग आपकी जानकारी के लिए संलग्न है। इस राष्टीय आयोजन के बारे में अधिक जानकारी के लिए और ऑनलाइन आवेदन जमा करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट - https://www.ayel.in देखें। इस प्रयास में आपकी सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा है।

बैरागढ़ में युवाओं को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित कर रही रक्तधारा सोसायटी

भोपाल। राजधानी के उपनगर संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में कार्यरत रक्तधारा थैलेसीमिया सोशल वेलफेयर सोसायटी युवाओं को लगातार रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करने का काम कर रही है। कोरोना संकट के कारण रक्तदान करने वालों की संख्या कम हो गई है। इसे देखते हुए सोसायटी ने विशेष रक?तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में रक्तदान करने वालों को विशेष प्रमाण पत्र दिए गए, ताकि उनका उत्साहवर्धन हो और वे भविष्य में रक्तदान का सिलसिला जारी रखें। सोसायटी ने सभी रक?तदाताओं को आय एम ब्लड डोनर यानी मैं रक्तदाता हूं का प्रमाण-पत्र प्रदान किया। सोसायटी के अध्यक्ष डा. राकेश गुलानी बताते हैं कि सोसायटी का गठन ही ऐसे बच्चों की मदद के लिए हुआ है, जो किसी ने किसी कारण से रक्त की कमी से जूझ रहे हैं। खासतौर पर थैलेसीमिया प्रभावित बच्चों के लिए सोसायटी समय-समय पर रक?तदान शिविर लगाती है, ताकि बच्चों को जरूरत के समय रक्त मिल सके। संस्था के सचिव दीपक वासवानी के अनुसार बैरागढ़ एवं आसपास के क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक थैलेसीमिया प्रभावित बच्चे हैं, जिन्हें 15 से 20 दिन के अंतर में रक्त की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को खून चढ़ाना जरूरी होता है।

बच्चों को रक्त की कमी नहीं होने देंगे

वासवानी के अनुसार कोरोना संकट के कारण रक्तदान करने वालों की संख्या कम हो गई है। इसे देखते हुए विशेष रक्तदान शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि बच्चों को रक्त के साथ जीवन दान मिल सके। इन शिविर में संस्था से जुड़े सदस्य भी स्व-प्रेरणा से रक्तदान करते हैं। डा. गुलानी इन बच्चों की न केवल देखभाल करते हैं, बल्कि स्वयं रक्तदान भी करते हैं। हाल ही में लगाए गए शिविर में डा. गुलानी सहित अनेक सदस्यों ने रक्त एकत्रित किया। डा. गुलानी का कहना है कि बच्चों को रक्त की कमी नहीं होने दी जाएगी।

संविधान के बदौलत, सबकुछ मिला
जो भी मिला हमें,जितना मिला हमें,
संविधान के बदौलत,सबकुछ मिला
हमें।

नौकरी मिली हमें,शिक्षा मिली हमें,
घूमने की आजादी,रोजगार भी मिला।
घर-बार शान-ओ-शौकत,ईज्जत
मिला हमें। जो भी मिला हमें,जितना
मिला हमें, संविधान के
बदौलत,सबकुछ मिला हमें।

आततायियों ने मिलकर,हक हमारे
छीने थे, काले-कारनामों को, पुरखों
ने गिने थे। सब समान है मानव,एक
समान जीने थे,
असमान जीवन के, जो भी समर्थक हैं,
समुद्र मंथन के, जहर उनको पीने थे।
उनसे शिकायत है,उनसे गिला हमें।
जो भी मिला हमें,जितना मिला हमें,
संविधान के बदौलत,सबकुछ मिला
हमें।

बाबा भीमराव ने कष्टों को झेलकर,
अपने बेटे के घर में,शव से नाता
तोड़कर, खुद को महापुरुषों के,
जीवन से जोड़कर, अपने बुद्धि के बल
पर,हक दिया दिला हमें। जो भी मिला
हमें,जितना मिला हमें, संविधान के
बदौलत,सबकुछ मिला हमें।

ऊँच-नीच,भेदभाव सदा ही टिका रहे,
मनुवादी सोंच है,बहुजन बिका रहे,
गर्व करो जाति पर,हमको सीखा रहे,
बिखरे समाज का,आईना दिखा रहे,
अंधविश्वास की जड़ को,देना हिला हमें
जो भी मिला हमें, जितना मिला हमें,
संविधान के बदौलत,सबकुछ मिला
हमें।

संतोष
जांगड़े,बलौदाबाजार(
छ.ग.)
99261-98196

गणतंत्र दिवस पर भूले - बिसरे अमर शहीद की गाथा

■ महान शूरवीर मनीराम अहिरवार जो कि स्वतंत्रता आंदोलन क्रांतिकारी रहेः सम्मान से वंचित

भारत की भूमि पर जब भी विदेशी आक्रमण किसी ने भी किये गये हो हमारे देश के योद्धवीरों ने संघर्ष करने में अपनी जान न्यौछावर करने में तत्पर रहे। जिनकी बदौलत हम आजाद भारत में जी रहे हैं। लाखों वीर - वीरांगनाओं ने मात्रभूमी की रक्षा में हर एक बूंद रक्त बहाकर हमें बहार प्रदान की है। उनकी कुर्बानी को भूल - बिसारना अपनी मात्रभूमी के साथ बेईमानी है। मध्यप्रदेश के जिला नरसिंहपुर तहसील गाडरवारा के चीचली नामक गोंडवाना राजा शंकर प्रताप सिंह जू देव की नगरी में सन 1915 में 21 नबम्वर को रविदास वंशीय अहिरवार समाज के श्री हीरालाल अहिरवार जी के पुत्र रत्न का जन्म हुआ था। जो एक होनहार बालक थे। जो युवा अवस्था में अखाड़े, कुश्ती और निशाने बाज में महारत हासिल कर ली थी। ये सपरिवार गोंडवाना राजमहल की सेवा देते चले आ रहे थे। उन दिनों चीचली के राजा युवा अवस्था में अध्ययन करने बाहर गये थे। देश में स्वतंत्रता आंदोलन पूरे

देश में चरम सीमा पर फैल चुका था। अंग्रेजी सेना ने जबलपुर, मंडला, चौगान किला के साथ ही चीचली राजमहल को अपने अस्तित्व में लेने के लिए सैनिकों की एक टीम सन 19 42 में चीचली भेज कर मौका का फायदा उठाना चाहा क्योंकि राजमहल सूना था। केवल सुरक्षा की दृष्टि से मनीराम अहिरवार जी देखरेख कर रहे थे। अंग्रेजी सेना ने महल पर चढाई कर दी। मनीराम अहिरवार ने अंग्रेजी फौज को देखते हुए कमान संभालते हुए। अंग्रेजी सेना को महल की ओर आने से रोकना चाहा लेकिन अंग्रेजी सेना ने बंदूक तानकर गोली चलाना शुरू कर दिया। ऐसी परिस्थिति में वीर मनीराम जी ने अपनी वीरता और चतुरता से उन पर अचूक निशाना बनाकर पत्थर मारे। युद्ध की स्थिति भयानक हो गई। गोंड महल सा केवल मनीराम थे। जो अंगेजों से भिड़ गये। मनीराम अहिरवार को लक्ष्य बनाकर अंग्रेजी सैनिकों ने धुआंधार गोली चलाई। लेकिन इनकी कलाबाजियां में एक गोली भी न छू सकी। युद्ध में मनीराम के सहयोग में वीर मंशाराम जसाटी जी सामने आये और उन पर गोली लग गई। उक्त युद्ध का नजारा देख रही गौरादेवी कतिया जी जो कि अपनी लडकी को खोज रही थी। वह भी मनीराम अहिरवार पर चलीगोली से शहीद हुई।गांव के वीर मंशाराम जसाटी जो कि एक बहादुर और ताम्रकार समाज के युवा नेता थे। उनकी कुर्बानी पर मनीराम आग बबूला होकर अपना कुरथा फाड़कर सीना तान कर अंग्रेजी सेना को गोली चलाने ललकारा। लेकिन अनेक गोली चलने के बाद भी वीर मनीराम जी अहिरवार को कोई गोली नहीं लगीं। उन्होंने अंग्रेजी सैनिकों को घायल कर दिया। अंततोगत्वा विदेशी सैनिकों को जान बचाकर भागना पड़ा। अंग्रेजी सेना से विजयी होने पर राजमहल पर झंडा फहराया गया। चीचली में दूसरे दिन 24 अगस्त 19 42 को अमर शहीद हुए वीर मंशाराम जसाटी जी एवं वीरांगना गौरादेवी जी की श्रद्धांजलि कार्यक्रम और मनीराम अहिरवार जी की बहादुरी पर सम्मान कार्यक्रम आयोजित था। उसी समय अंग्रेजी सेना के अफसर सहित टीम मनीराम अहिरवार को गिरफ्तार करने आई। सभा में नर्मदा प्रसाद ताम्रकार शहीद होने वालों को श्रद्धांजलि देने के बाद मनीराम अहिरवार जी का आंखों देखा वीरता का गुणगान कर रहे थे कि अंग्रेजी सेना ने सभा के नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। मनीराम अहिरवार महल में ही थे। जिन्हें तत्काल गिरफ्तार नहीं किया जा सका। उन्हें छल कपट और कूटनीति के माध्यम से खबर फैलाई की चीचली राजा आ गये हैं। वह मनीराम अहिरवार को भूमि दान देकर और महल के द्वारा पुरस्कार दे रहे हैं। तरह तरह की छल नीति के तहत वीर मनीराम अहिरवार को गिरफ्तार कर उनकी गुप्त जेलखाना ले गये। उनसे राजमहल की गुप्त जानकारी और संपत्ति इत्यादि जानने के लिए मारपीट की गई। वीर मनीराम जी ने कुछ भी जानकारी नहीं दी उन्होंने साफ कहा कि मैं चीचली राजमहल का नमक खाता हूँ। नमक हरामी नही करुंगा। चाहे मेरे प्राणों भले ही निकल जाये। अंग्रेजी सेना को किसी प्रकार की बात न बताने उपरांत अफसरों ने कहा कि ये एक बलवान युवा है। इसको लालच देकर कहो कि ये इसकी समाज के युवकों को अंग्रेजी सेना में भर्ती करे। मनीराम जी को सरदार बनाया जायेगा। जेल में उनसे बार - बार दबाव डाला जाने लगा। हार मानकर अंग्रेजी सेना उन पर कोढे मारते, गर्म पानी डालते।

भोपाल में तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराकर पलटी, एक की मौत, तीन गंभीर

भोपाल। खजूरी सड़क थाना पुलिस के मुताबिक मोहम्मद जैद पुत्र शहीद खान (22) भारत टाकीज के पास रहता था। वह एक कालेज में पढ़ता था। जैद का दोस्त फैज खान भी भारत टाकीज के पास रहता है। बुधवार रात जैद और फैज अपनी मित्र जेबा खान और रीना तिवारी के साथ पार्टी मनाने खजूरी सड़क इलाके के एक ढाबे पर गए थे। वहां से पार्टी मनाने के बाद चारों कार से वापस घर लौट रहे थे। रात करीब 12 बजे वे लोग ग्राम कोलूखेड़ी के पास पहुंचे थे, तभी रफ्तार अधिक होने से कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से टकराई और पलटी खा गई। इस हादसे में चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बड़ी मशक्कत के बाद कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चेक करने के बाद डाक्टर ने जैद को मृत घोषित कर दिया। घायलों में फैज और रीना की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। शाहजहांनाबाद थाना पुलिस के मुताबिक कल्लू बौद्ध (30) वाजपेयी नगर, मल्टी में रहता था। उसके माता-पिता नहीं है। कल्लू पहले चाय की दुकान में काम करता था। वर्तमान में वह आटो चला रहा था। मंगलवार रात को वह आटो लेकर वाजपेयी नगर स्थित अपने घर जा रहा था। इस दौरान ईदगाह हिल्स की ढलान पर उसका आटो पलट गया। इससे कल्लू गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। बुधवार रात कल्लू की मौत हो गई।

संपादकीय

अखिलेश का पहला दाँव फेल हो गया तो अब खैरात बाँटने के वादे कर सत्ता पाना चाहते हैं

समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अपने आप को बहुत बड़ा तकनीकविद् मानते हैं, इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है तो ऐसा होना स्वभाविक भी है। अखिलेश युवा नेता तो हैं ही। विकास की बड़ी-बड़ी बातें और दावे करते हुए बहुत शान से बताते हैं कि उनकी सरकार में यूपी का कितना विकास हुआ था। वह यह तक कहने से गुरेज नहीं करते हैं कि योगी सरकार जितने भी विकास कार्यों को गिना रही है, दरसअल वह उनके शासनकाल में ही शुरू किए गए थे। चुनाव प्रचार जब शुरू हुआ था, तब अखिलेश यादव प्रदेश की योगी सरकार को विकास के मुद्दे पर घेर रहे थे। योगी सरकार को नाकारा साबित कर रहे थे, अखिलेश के विकास वाले दांव से बीजेपी बैकफुट पर नजर आने लगी थी। लेकिन बीजेपी ने अपना 'स्टैंड' नहीं बदला, बीजेपी नेता विकास की बात करते रहे तो साथ में हिन्दुत्व का अलख भी जलाते और अखिलेश को कभी परिवार की आड़ में तो कभी तुष्टिकरण के बहाने घेरते रहते थे। अखिलेश को उनके राज में प्रदेश में फैली अराजकता, गंडागर्दी, साम्प्रदायिक हिंसा और पश्चिमी यूपी में हिन्दुओं के पलायन की याद दिलाई जाती। यह बताया जाता कि समाजवादी सरकार में बहू-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था। गुंडे-माफिया तांडव कर रहे थे। सपा राज में सरकारी भ्रष्टाचार के लिए भी उन पर तंज कसा जाता। जनता को यह बताया जाता कि जब सपा राज में यूपी में कहीं नौकरी निकलती थी तो पूरा समाजवादी कुनबा चाचा-भतीजे सब वसूली करने के लिए निकल पड़ते थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर सबसे ज्यादा हमला बीजेपी की तरह से हो रहा था और हो रहा है, कांग्रेस और बसपा कभी-कभी ही अखिलेश के खिलाफ मुंह खोलते हैं। वहीं अखिलेश भी बीजेपी और योगी सरकार के खिलाफ हमलावर हैं। वह तो कांग्रेस और बसपा को लड़ाई में मानते ही नहीं हैं। एक तरह बीजेपी हिन्दुत्व का कार्ड खेल रही है तो दूसरी ओर अखिलेश यादव न खुलकर हिन्दुओं के पक्ष में बोल रहे हैं, न ही मुसलमानों के पक्ष में। एक तरह से अखिलेश दुधारी तलवार पर चल रहे थे, लेकिन अखिलेश यादव ने जैसे ही प्रथम चरण के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की सबको इस बात का विश्वास हो गया कि अखिलेश का मिजाज बदला नहीं है। सपा प्रमुख को लग रहा था कि वह जनता की नाराजगी को भुनाकर और मुसलमानों को लुभा कर सत्ता हासिल कर लेंगे। लेकिन यह दांव सही नहीं पड़ने पर अखिलेश अब वोटरों को फ्री के झांसे में फंसाकर चुनाव जीतने की राह पर चल दिए हैं। पहले तीन सौ यूनिट फ्री बिजली देने की बात की। अब वह कह रहे हैं कि उनकी सरकार बनी तो यूपी के सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की बहाली होगी।

मीडिया स्वस्थ लोकतंत्र का न केवल एक अंग है, अपितु अपरिहार्य शर्त भी है

लोकतंत्र को पूरे विश्व में स्थापित करने में मीडिया ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के विकास का लक्ष्य लेकर देश में पत्रकारिता की शुरुआत हुई थी। अपनी लंबी यात्रा में मीडिया ने इस बात को साबित किया है, कि वह सही मायनों में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही सामाजिक चेतना जागृत करने में मीडिया की बड़ी भूमिका रही है।

भारत में लोकतंत्र एक संस्कार, जीवन मूल्य और जीवन पद्धति है। भारत का लोकतंत्र सदियों के अनुभव से विकसित हुई व्यवस्था है। आज भारत के लोकतंत्र में समाहित शक्ति ही देश के विकास को नई ऊर्जा और देशवासियों को नया विश्वास दे रही है। दुनिया के अनेक देशों में जहां लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को लेकर अलग स्थिति बन रही है, वहीं भारत में लोकतंत्र नित्य नूतन हो रहा है। लोकतंत्र को पूरे विश्व में स्थापित करने में मीडिया ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के विकास का लक्ष्य लेकर देश में पत्रकारिता की शुरुआत हुई थी। अपनी लंबी यात्रा में मीडिया ने इस बात को साबित किया है, कि वह सही मायनों में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही सामाजिक चेतना जागृत करने में मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। दुनिया का कोई भी देश हो, मीडिया बदलाव और चेतना का वाहक रहा है। किसी भी विषय पर लोगों को जागरूक करने और जनमत तैयार करने में मीडिया की भूमिका होती है। मीडिया सरकार और जनता के बीच संवाद सेतु का काम करता है। जनता की समस्याओं और उसकी बातों को शासन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। यही कारण है कि आज भी लोग मीडिया की ओर उम्मीद से देखते हैं। मीडिया स्वस्थ लोकतंत्र का न केवल एक अंग है, बल्कि एक अपरिहार्य शर्त भी है। गांधी जी ने कहा था कि आज लोग पवित्र ग्रंथों से अधिक प्रेस पर विश्वास करते हैं। यह बात अतिश्योक्ति लग सकती है, परंतु इसमें वर्तमान समाज की सच्चाई भी है। यद्यपि हमारे संविधान में प्रेस की आजादी को खुले तौर पर मूल अधिकार नहीं माना गया है, लेकिन संविधान सभा की बहस से ज्ञात होता है कि मीडिया की स्वतंत्रता को अभिव्यक्ति की मौलिक स्वतंत्रता का ही विस्तार मानने पर सर्वसहमति थी। उच्चतम न्यायालय के अनेक निर्णयों ने इस मान्यता को वैधानिकता भी प्रदान की है। आपातकाल के कड़वे अनुभव के बाद, हमारी संसद में मीडिया की स्वतंत्रता के प्रति सर्वसम्मति रही है। जहां बाकी तीन स्तंभों के लिए संविधान में प्रावधान है, वहीं मीडिया को जन विश्वास प्राप्त है। मीडिया की विश्वसनीयता जनता के सरोकारों और जन विश्वास पर ही टिके होते हैं। मीडिया राष्टीय संसाधन है, जिसे पत्रकार जन विश्वास में प्रयोग करते हैं। इसलिए आवश्यक है कि मीडिया जनसरोकारों के प्रति सत्यनिष्ठ रहे। पत्रकार का कर्तव्य है कि वह देश के जनमानस को पढ़े और निर्भीक हो कर उसे मुखर अभिव्यक्ति दे। पत्रकारिता का उद्देश्य मात्र समाज सेवा ही होना चाहिए। लोकतंत्र में संसद और मीडिया एक दूसरे के सहयोगी हैं। दोनों ही संस्थान जनभावनाओं को अभिव्यक्ति देते हैं। आज जब हम बढ़ती और बदलती जनअपेक्षाओं के युग में रह रहे हैं, तब आवश्यक है कि हम भी अपने स्थापित पूर्वाग्रहों को त्यागें और जन अपेक्षाओं को स्वर दें। मीडिया को विकासवादी सकारात्मक राजनीति का वाहक बनना होगा। मीडिया सरकारों और राजनैतिक दलों की जवाबदेही अवश्य तय करे, परंतु उसके केंद्र में जनसरोकार हों, न कि सत्ता संस्थान। मीडिया यथास्थितिवादी राजनीति में बदलाव का कारक बने। मीडिया को दलीय राजनीति से ऊपर उठकर जनकेन्द्रित मुद्दे उठाने चाहिए। मीडिया में लोकतांत्रिक संस्कारों को दृढ़ करना है, तो पत्रकारिता के केंद्र में जनसरोकारों को रखना होगा। यहां स्थानीय समाचार पत्रों की महती भूमिका रहती है। स्थानीय समाचार पत्र न केवल स्थानीय अपेक्षाओं को प्रतिबिंबित करते हैं, बल्कि भारतीय भाषाओं में प्रकाशित होने के कारण जनाकांक्षाओं के अधिक निकट भी हैं। झारखंड में पहाड़ की तलहटी में बसे दो गांवों- आरा और केरम के निवासियों द्वारा किए जल संरक्षण के प्रयासों को देश के अन्य भागों तक मीडिया ने ही पहुंचाया है। जन सरोकार के इन विषयों पर जन शिक्षण करना आज पत्रकारिता का तकाजा है। पूरी दुनिया में मानवाधिकारों से जुड़े जितने भी मुद्दे हैं, उन सभी को प्रमुखता से आगे बढ़ाने का कार्य मीडिया ने सकारात्मक ढंग से किया है। अच्छे को अच्छा और बुरे को बुरा कहने की ताकत अगर किसी में हैं, तो वो सिर्फ मीडिया में ही है। आज लोगों में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता इसीलिए है, क्योंकि मीडिया अपनी भूमिका सार्थक ढंग से निभा रहा है। मीडिया के चलते जो बातें कल तक छुपी रह जाती थीं, वो सारी बातें आज पूरी दुनिया के सामने हैं। वर्ष 1984 में इलाहाबाद में पुलिस द्वारा आदिवासियों के उत्पीड़न की खबर सभी के पास थी। देश के कई पत्रकार इस कवरेज को करने पहुंचे, लेकिन पुलिस और प्रशासन के खिलाफ खबर छापने की हिम्मत उस वक्त किसी ने नहीं दिखाई। तब ये खबर केवल एक अखबार में प्रकाशित हुई। सिर्फ एक अखबार में इस खबर के छपने के बाद विधानसभा में हंगामा हो गया और इसके बाद सभी दोषियों को सजा मिली। मीडिया ने यह साबित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है कि एक प्रजातांत्रिक देश में पद और सत्ता के आधार पर इंसान-इंसान में भेद नहीं किया जा सकता। सभी मनुष्य समान हैं। मीडिया ने वर्तमान संदर्भ में एक नई संस्कृति को विकसित करने की कोशिश की है, जिसे हम सशक्तिकरण की संस्कृति भी कह सकते हैं। आज मीडिया के कारण ही मानव अधिकारों के बहुत सारे संवेदनशील मामले सामने आए हैं। वर्ष 2005 में मीडिया ने लोकहित में यह बात लगातार उठाई कि सरकारी जानकारियों तक आम लोगों की पहुंच क्यों नहीं है। जब सब कुछ सरकार जनता के लिए करती है, तो ये जानना भी जनता का हक है कि आखिर उसकी सरकार कर क्या रही है। और यदि कोई काम समय पर पूरा नहीं होता या उसमें भ्रष्टाचार हुआ है, तो सिर्फ यह कहने से काम नहीं चलने वाला कि यह गोपनीय है। इस दौरान यदि किसी के मानवाधिकारों का भी हनन हुआ है, तो वह भी सामने आना चाहिए और भविष्य में ऐसा न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मीडिया की लगातार उठाई गई मांग का परिणाम था कि वर्ष 2005 में देश में एक सशक्त सूचना का अधिकार अधिनियम पारित हुआ, जिससे सरकार के प्रत्येक विभाग से जुड़ी जानकारियों तक आम नागरिक की पहुंच हो गई।

> ■ **मीडिया ने यह साबित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है कि एक प्रजातांत्रिक देश में पद और सत्ता के आधार पर इंसान-इंसान में भेद नहीं किया जा सकता।**

पहले दो चरणों में ही काफी हद तक साफ हो जाएगी यूपी की भावी राजनीतिक तस्वीर

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रथम दो चरण का चुनाव प्रदेश की भावी सियासत एवं भारतीय जनता पार्टी-समाजवादी पार्टी सहित तमाम दलों और उनके 'आकाओं' के लिए भी काफी महत्त्व वाला माना जा रहा है। प्रथम दो चरणों की जंग पश्चिमी यूपी और रूहेलखंड के कुछ हिस्सों में लड़ी जाएगी। यह वही इलाका है जहां नये कृषि कानून के खिलाफ काफी तीखा साल भर तक चलने वाला किसान आंदोलन देखने को मिला था। हालांकि किसान आंदोलन खत्म हो गया है, लेकिन अटकलों का दौर जारी है। यहां विपक्ष को लगता है कि बीजेपी से किसानों की नाराजगी उनकी झोली वोटों से भर देगी। 2017 के विधानसभा चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नतीजों ने प्रदेश में बीजेपी सरकार के लिए राह बनाई थी। तब पश्चिमी यूपी में 26 जिलों की 136 विधानसभा सीटें जिसमें मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, आगरा समेत कई जिले आते हैं उसमें 136 सीटों में से 109 सीटें बीजेपी के खाते में आई थीं। पश्चिमी यूपी में 20 फीसदी के करीब जाट और 30 से 40 फीसदी मुस्लिम आबादी है। इन दोनों समुदायों के साथ आने से करीब 50 से ज्यादा सीटों पर जीत लगभग तय हो जाती है। 2017 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को रिकॉर्ड 136 में से 109 सीट मिली थीं जबकि अखिलेश यादव के हिस्से में 20 सीटें ही आई थीं। अबकी से पश्चिमी यूपी में पैर जमाने के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राष्टीय लोकदल के राष्टीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ गठबंधन कर लिया है। यदि यहां बीजेपी का प्रदर्शन अच्छा रहता है तो उसके लिए आगे के पांच चरणों की लड़ाई बहुत आसान हो जाएगी। पिछले तीन चुनावों में यहां बीजेपी का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है, लेकिन इस बार साल भर से अधिक समय तक चले किसान आंदोलन और गन्ना मूल्य के भुगतान में देरी की वजह से किसान बीजेपी से नाराज बताए जा रहे हैं। यहां की बहुसंख्यक आबादी जाट और मुसलमानों के एकजुट होने से भी भाजपा की परेशानियां बढ़ी हुई हैं। सपा-रालोद को लगता है कि जाट और मुसलमानों ने एक साथ वोट कर दिया तो पश्चिम उत्तर प्रदेश में बीते आठ वर्षों से जारी राजनीति की नई इबारत लिखी जाएगी और भाजपा सत्ता से बाहर हो सकती है। इसीलिए भाजपा लगातार यह कोशिश कर रही है कि सपा-रालोद के अरमानों पर कैसे पानी फेरा जाए।

बाइडन की लोकप्रियता एक साल में ही गिरी, मगर 8 साल बाद भी मोदी कैसे बने हुए हैं सर्वाधिक लोकप्रिय ?

एक साल की अवधि में ही अमेरिकी राष्टपति जो बाइडन की लोकप्रियता में तेजी से गिरावट देखने को मिल रही है। एक सर्वे के अनुसार मात्र 11 प्रतिशत अमेरिकी लोग बाइडन के कार्यकाल को एक्सीलेंट की श्रेणी में रख रहे हैं तो 37 फीसदी लोगों ने उन्हें पूरी तरह से विफल राष्टपति माना है। एक समय था जब बड़बोले डोनाल्ड ट्रंप का विवादों से स्थाई नाता माना जाता था पर बाइडन के पिछले एक साल के कार्यकाल का विश्लेषण करने पर निराशा ही देखने को मिल रही है। दरअसल बाइडन को सबसे अधिक अलोकप्रिय बनाने में अफगानिस्तान को तालिबान के हवाले करने का निर्णय माना जाता है। माना जाता था कि बड़बोले डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में बाइडन अच्छे राष्टपति सिद्ध होंगे पर जो एक कुशल प्रशासक और देशहित में कठोरतम निर्णय लेने की आशा बाइडन से अमेरिकी लगाए बैठे थे उन्हें निराशा ही हाथ लगी है। सर्वे के अनुसार अब उपराष्टपति कमला हैरिस की लोकप्रियता भी लगातार कम हो रही है। कारण साफ है कि पिछले एक दशक से लोगों की मानसिकता में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। इस दशक के लोगों को गांधी नहीं अपितु कठोर कदम उठाने वाले हिटलर जैसे व्यक्तित्व की जरूरत हो गई है। आज दुनिया के देशों में एक नजर घुमा कर देखेंगे तो कठोर निर्णय लेने वाले राष्टाध्यक्ष को हाथोंहाथ लिया जा रहा है। राष्टवाद तेजी से फैला है। बल्कि यह कहना अधिक सही होगा कि आज अतिराष्टवाद का युग देखा जा रहा है। इसका एक बड़ा उदाहरण तो हिन्दुस्तान में ही देखा जा सकता है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया के देशों में उनके कठोर निर्णयों के कारण जाना जाने लगा है।

हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस, शान से लहराया राष्ट्रीय ध्वज

रायसेन। जिला मुख्यालय रायसेन सहित सम्पूर्ण जिले में पूरे उमंग, उत्साह व राष्ट्रप्रेम की भावनाओं से ओतप्रोत वातावरण में गणतंत्र दिवस मनाया गया। जिला मुख्यालय रायसेन स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राउण्ड पर आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर अरविन्द कुमार दुबे ने राष्टीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा गणतंत्र दिवस पर प्रदेश की जनता के नाम प्रसारित संदेश का वाचन भी किया। परेड का निरीक्षण किया व सलामी ली। सुरक्षा बलों ने हर्ष फायर किया। राष्ट्गान की आकर्षक धुन प्रस्तुत की गई। परेड में विशेष सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल, होमगार्ड तथा महिला पुलिस बल ने आकर्षक मार्च पास्ट किया। कलेक्टर रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। परेड कमाण्डर से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अनीता किरार, डॉ. जयप्रकाश किरार, पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल, डीएफओ अजय कुमार पाण्डेय, अपर कलेक्टर अनिल डामोर, जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा तथा एसडीएम एलके खरे सहित अन्य अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे। गणतंत्र दिवस परेड का नेतृत्व परेड कमान्डर रक्षित निरीक्षक बीएस चौहान ने किया।

परेड के लिए इन्हें मिला पुरस्कार-

गणतंत्र दिवस समारोह के अंत में पुरस्कार वितरित किए गए। परेड के लिए होम गार्डस को प्रथम पुरस्कार, जिला पुलिस बल को द्वितीय व विशेष सशस्त्र बल 17वीं बटालियन को तृतीय पुरस्कार मिला। महिला पुलिस बल को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। विशेष सशस्त्र बल का नेतृत्व उपनिरीक्षक संदीप शर्मा ने, जिला पुलिस बल का नेतृत्व उप निरीक्षक रविन्द्र सिंह ने, होमगार्ड्स का नेतृत्व पीसी मयंक जैन ने व महिला पुलिस बल का नेतृत्व उप निरीक्षक त्रिशला मित्तल ने किया।

यह झांकियां हुईं पुरस्कृत-

जिला पंचायत द्वारा प्रदर्शित की गई झांकी को प्रथम पुरस्कार, स्वास्थ्य विभाग की झांकी को द्वितीय तथा वन विभाग द्वारा प्रदर्शित की गई झांकी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान-

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि कलेक्टर दुबे द्वारा शासकीय सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही मेघावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

सुमित्रा सर्वोदय विकास सेवा परिषद में ध्वजारोहण-

रायसेन। सुमंत्रा सर्वोदय विकास सेवा परिषद् के मुख्य कार्यालय रायसेन में गणतंत्र दिवस पर संस्था की सचिव मीरा चौधरी ने झण्डा फहराया। संस्था के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। सुरेन्द्र वंशकार, पाटील कर्मचारी, सुरेन्द्र अहिरवार, शिवम वंशकार, जीतेन्द्र रघुवंशी, वरिष्ठ नागरिक हल्के राम अहिरवार, छोटे लाल, मांगीलाल, लक्ष्मण सिंह, राम सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकालकर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

गैरतगंज। किसान संगठन के आह्वान पर विभिन्ना मांगों को लेकर किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकाली। अपनी मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। ट्रैक्टर रैली में किसानों ने जय जवान, जय किसान के नारों के साथ झंडा लगाकर आक्रोश व्यक्त किया। रैली के साथ पगड़ी बांधे व आईडी कार्ड के साथ अनुशासन में अपने ट्रैक्टरों के साथ किसान चल रहे थे। रैली का प्रारंभ भोपाल सागर मुख्य सड़क मार्ग के ग्राम सिमरिया कलां पर एकत्रीकरण के साथ प्रारंभ हुआ। जहां प्रत्येक किसान को ट्रैक्टर को अनुशासन में चलाने के लिए नम्बर दिया गया।

गुड़ मिश्रित 1790 किलो महुआ लाहन को नष्ट कराया

रायसेन। प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक वृत्त बरेली राजेश विश्वकर्मा ने मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर एनएच-12 पर स्थित श्रीराम ढाबा सलैया, पाराशर ढाबा सलैया, सरपंच ढाबा भोन्डिया तथा ग्राम सिलगना में स्थित राजेश चौहान की किराना दुकान, ग्राम सिंधी कैंप बाड़ी में बक्खा बाई के रिहायशी मकान, ग्राम सिंधी कैंप बाड़ी के पीछे स्थित बारना नदी किनारे एवं ग्राम अमरावद कलां में तालाब किनारे स्थित झाड़ियों मे दबिश देकर 12 पाव मसाला मदिरा, 35 पाव अंग्रेजी शराब, 45 बल्क लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा तथा नौ ड्रमो व छह डिब्बो में भरा कुल 1790 किलोग्राम गुड़ मिश्रित महुआ लाहन मौके से बरामद कर मदिरा को विधिवत सीलबंद कर कब्जा आबकारी में लिया तथा लाहन के सैम्पल लेकर मौके पर मय ड्रमों व डिब्बों के विनिष्ट किया। इस कार्रवाई में कुल आठ प्रकरण आबकारी एक्ट की धारा 34.1 क तथा च के तहत कायम कर छह आरोपितों को मौके पर गिरफ्तार किया गया। दो आरोपितों के विरुद्ध जो कि मौके से भाग जाने में सफल रहे जिन्हें पहचाना नहीं जा सका। इसलिए उनके विरुद्ध अज्ञात में उक्त धारा के अंतर्गत् प्रकरण कायम कर विवेचना में लिए गए। इस कार्रवाई में जब्त की गई देशी, विदेशी मदिरा एवं अवैध शराब निर्माण हेतु तैयार सामग्री लाहन की कुल कीमत एक लाख 17 हजार 770 रुपये आकलित की गई है। इस कार्रवाई में मुख्य आबकारी आरक्षक रामगोपाल शर्मा एवं आरक्षक रामस्वरूप पटैल का सराहनीय सहयोग रहा। गौरतलब है कि 26 जनवरी को शासन-प्रशासन की ओर से शराब पर पूर्णतः प्रतिबंध किया गया था। इसके बावजूद काफी मात्रा में शराब का अवैध रूप से विक्रय हुआ है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
भोपाल (मप्र)मो.- 9755364204

वर्ष 2023 में होगा दस गुना बड़ा किसान आंदोलनः कक्का जी

रायसेन /बरेली। किसान मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा कक्का जी ने कहा कि तीनों कृषि कानून वापसी को लेकर किसानों का आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। बड़ा किसान आंदोलन 2023 में होगा जो पिछले आंदोलन से दस गुना बड़ा होगा। उन्होंने यह बात बरेली में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने मध्य प्रदेश में पूर्व में हुए किसानों की ट्रैक्टर रैली को लेकर बताया कि एक साथ 317 जगह आंदोलन हुए थे। जिसमें सबसे बड़ा आंदोलन डबरा में सबसे बड़ी ट्रैक्टर रैली निकाली गई थी। संयुक्त किसान मोर्चा के पांच सदस्यीय कमेटी सरकार से लगातार बात कर रही है। हमारी मांग यह है कि स्वामीनाथन आयोग के अनुसार एमएसपी तय हो और गारंटी का कानून बने।एमएसपी से नीचे व्यापारी अगर किसान की उपज खरीदता है तो उस पर एफआईआर हो। उन्होंने सीएम पर तंज कसते हुए कहा कि प्रदेश में सरकार असफल है। जब पूर्व में केंद्र सरकार के द्वारा भाजपा शासित राज्यों को लैंड बिल के आधार पर भूमि अधिग्रहण में 40 लाख रुपये प्रति एकड़ का किसानों को मुआवजा दिए जा रहा है तो वहीं मध्यप्रदेश में 20 लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया जा रहा है। मैं बात कर रहा हूं ग्वालियर से झांसी रेलवे लाइन निर्माण के दौरान अधिग्रहण की जाने वाली भूमि की। उन्होंने कहा कि मप्र मंडी एक्ट पूरे देश में सबसे अच्छा है। 1992 में प्रकाशचन्द्र सेठी के समय यह बना था। सरकार की किसान विरोधी सोच के कारण किसान का शोषण हो रहा है। अभी तक इन बातों पर सरकार ने कुछ नहीं किया।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल ने किया खुलासा

पहली बार सलमान से मिलने पर ऐसा था उनका रिएक्शन

■ अगर बात करें प्रज्ञा जायसवाल की तो वह साउथ इंडस्ट्री में काफी एक्टिव हैं लेकिन हिंदी सिनेमा में अभी नई हैं।

मुंबई। हाल ही में सलमान खान का नया म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ है। जो इस समय इंटरनेट की दुनिया में छाया हुआ है। इस गाने में सलमान के अपोजिट एक्ट्रेस प्रज्ञा जयसवाल नजर आ रही हैं। इस गाने में लोगों को सलमान और उनके बीच की केमिस्ट्री खूब पसंद आ रही है। सलमान के इस नए गाने को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। अगर बात करें प्रज्ञा जायसवाल की तो वह साउथ इंडस्ट्री में काफी एक्टिव हैं लेकिन हिंदी सिनेमा में अभी नई हैं। प्रज्ञा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि जब वह पहली बार सलमान से मिलीं तो उनका रिएक्शन कैसा था। एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने और सलमान की पहली मुलाकात के बारे में बात करते हुए कहा,देखिए मैं सलमान सर से पहली बार हमारे गाने की शूटिंग के दौरान पहली बार सेट पर मिली थी, स्वाभाविक रूप से मुझे नहीं पता था कि किस चीज की परमिशन थी और कितनी थी।

मैं बस एक्सट्रा श्योर हो रही थी सर अच्छे मूड में हैं

जब आप किसी से पहली बार मिलते हैं और वह भी भारत के सबसे बड़े स्टार सलमान खान से, तो आप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप सब कुछ सही कर रहे हैं। आप उस टाइम कुछ भी ऐसा नहीं करना चाहते हैं, गलती से भी, जिससे वह (सलमान) परेशान या नाराज हो जाएं। उन्होंने बताया कि जब वह पहली बार सलमान खान से मिलीं तो मैं बस एक्सट्रा श्योर हो रही थी सर अच्छे मूड में हैं। मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती थी जिससे वह कहे, 'वह बहुत ज्यादा कर रही है।' इसलिए मैं परमिशन मांगी थी, मैंने उनसे पहले दिन पूछा, 'क्या मैं आपको छू सकती हूं?' यह एक रोमांटिक गाना है, इसमें प्यारे पल हैं और कंफर्टेवल रहने के लिए आपके पास अच्छी केमिस्ट्री होनी चाहिए। खासकर पहले दिन, लेकिन उसके बाद, मैं सहज हो गई। सर ने कहा, 'कोई बात नहीं, आप मुझे छू सकते हैं'। प्रज्ञा ने इंटरव्यू में यह भी खुलासा किया कि अंतिमः द फाइनल ट्रुथ में सलमान के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली थीं लेकिन यह बात नहीं बनी। फिलहाल इस नए म्यूजिक वीडियो में सलमान और प्रज्ञा की केमिस्ट्री को खूब पसंद किया जा रहा है।

तेजस्वी के साथ रिश्ते पर करण बोले- मुझे प्यार हुआ

टीवी जगत का लाकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 15 के अपकमिंग एपिसोड में आरजे करण और आरजे पलक कंटेस्टेंट्स से सवाल पूछते नजर आएंगे। शो में करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश से उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया। यह भी पूछा गया कि दर्शकों को कैसा लगता है कि करण कभी तेजस्वी के लिए स्टैंड नहीं लेते। इस आगामी एपिसोड का एक वीडियो क्लिप सोमवार को कलर्स टीवी द्वारा साझा किया गया है। इस वीडियो की शुरुआत आरजे पलक से होती है, जो कि करण से पूछती हैं "आपके रिश्ते के कारण कहीं ना कहीं आपका गेम से ध्यान हट गया।₹उनके इस सवाल का जवाब देते हुए करण कहते हैं, "मुझे प्यार हुआ, मैंने ठोक कर किया। मैं चाहे यहां करुं या बहार करुं, मुझे यह करना है।₹ आरजे करण फिर करण से पूछते हैं, ₹बाहर यह दिखता है कि आप तेजस्वी को उतना समर्थन नहीं करते जब करने की जरुरत होती है? उनके इस सवाल का जवाब देते हुए करण कहते हैं, ₹तेजस्वी अपनी लड़ाइयां खुद लड़ सकती हैं।₹ आरजे पलक फिर हस्तक्षेप करती हैं और कहती हैं, ₹पर उनको महसूस होता है कि आप नहीं कर रहे हैं।₹ करण और तेजस्वी का शो में उनके झगड़े और असहमति के साथ एक अशांत रिश्ता रहा है। इस जोड़े को सोशल मीडिया पर प्रशंसकों से समर्थन मिला, कई ने उन्हें तेजरन कहा और यहां तक कि अपने परिवारों से उनके रिश्ते को समर्थन और स्वीकार करने की अपील की। शो शुरू होने के कुछ हफ्ते बाद ही करण और तेजस्वी की प्रेम कहानी शुरू हो गई थी। पिछले महीने, करण तेजस्वी को अपनी प्रेमिका बनने का प्रस्ताव देने के लिए गुलाब के साथ घुटनों के बल नीचे चले गए।

विवादों ने लगाया

सुपरहिट हीरोइन के करियर पर ग्रहण

रिया सेन बॉलीवुड की इन अभिनेत्रियों में शुमार हैं जिनके बने बनाए करियर को विवादों की काली छाया ने ऐसा ग्रहण लगाया कि ये ग्रहण कभी छट नहीं पाया। आज रिया सेन का जन्मदिन है। हिंदी और बंगाली फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस मुनमुन सेन की बेटी और अदाकारा रिया सेन आज अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं। उनकी हिट फिल्मों में 'स्टाइल', 'झंकार बीट्स' और 'अपना सपना मनी-मनी' जैसी फिल्में ही याद आती हैं। लेकिन इससे ज्यादा लोगों को याद है उनसे जुड़ी कंट्रोवर्सी। रिया ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 1991 में एक बाल कलाकार के रूप में की थी। रिया देव वर्मा और मुनमुन सेन की बेटी हैं। वह अभिनेत्री राइमा सेन की छोटी बहन भी हैं। रिया सेन त्रिपुरा के राजघराने से ताल्लुक रखती हैं। इनके पिता भरत देव वर्मा कूच बिहार की महारानी इला देवी के बेटे हैं।

बी ग्रेड फिल्मों में ही किया काम

रिया को पहली बार पहचान फाल्गुनी पाठक के गाने 'चूड़ी जो खनकी हाथों में' से मिली थी। स्टार किड होने के बाद भी रिया सफल अभिनेत्री के तौर पर खुद को स्थापित नहीं कर पाईं। रिया हमेशा अपनी फिल्मों में बोल्ड और हॉट दृश्यों को लेकर चर्चा में रही हैं। अब रिया पूरी तरह से बंगाली फिल्मों की तरफ रुख कर चुकी हैं।

अफेयर की लिस्ट लंबी

रिया अपने अफेयर को लेकर हमेशा चर्चा में रहीं। उनके ब्वॉयफ्रेंड में अक्षय खन्ना से लेकर लेखक सलमान रुशदी तक का नाम शामिल है। जबकि रुशदी रिया से दोगुनी उम्र के थे। दोनों ने इस बात को एक्सेप्ट कभी नहीं किया मगर, कुछ ही वक्त रिश्ते में रहने के बाद दोनों ही अलग हो गए। 2011 में रिया को श्रीशंत के लिए कई बार स्टेडियम में चीयर करते देखा गया। रिया सेन ने अपने ब्वॉयफ्रेंड शिवम तिवारी से 2017 में एक निजी समारोह में शादी की थी।

एमएमएस केस

रिया की जिंदगी का सबसे बड़ा विवाद था एक्टर अश्मित पटेल के साथ उनका एमएमएस लीक होना। इस वीडियो में वो अंतरंग होते और एक दूसरे को किस करते दिख रहे थे। 2005 में रिया और अश्मित रिलेशनशिप में थे। उस दौरान रिया की एक फिल्म रिलीज होने वाली थी।

सोशल मीडियाः इब्राहिम और पलक तिवारी की डेटिंग को लेकर केआरके ने कसा तंज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान और श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी को हाल ही में एक साथ स्पॉट किया गया था। जिसके बाद से दोनों की डेटिंग की अफवाहें जोरों पर हैं। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान और श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी को हाल ही में एक साथ स्पॉट किया गया था। जिसके बाद से दोनों की डेटिंग की अफवाहें जोरों पर हैं। सोशल मीडिया यूजर्स भी दोनों की डेटिंग को लेकर पूछ रहे हैं। वायरल वीडियो में इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी को एक ही कार में जाते हुए देखा गया था। जिसके बाद से उनके फैंस भी पूछ रहे हैं कि क्या वे दोनों एक-दूसरे के साथ डेट कर रहे हैं। अब कमाल आर खान उर्फ केआरके ने भी इब्राहिम और पलक तिवारी की डेटिंग की खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्वीट कर इब्राहिम और पलक तिवारी की डेटिंग की अफवाहों को लेकर अभिनेता सैफ अली खान व उनके बेटे पर निशाना साधा है। केआरके ने ट्वीट कर लिखा है 'अली

इब्राहिम खान, पलक तिवारी के साथ डेट पर गए, कहां पलक और कहां अली। बेटा एक दम सैफ अली खान पर ही गया है।' गौरतलब है कि कमाल आर खान की पुरानी आदत है वह बॉलीवुड के सारे स्टार्स पर न सिर्फ तंज कसते हैं बल्कि कई बार उनको आड़े हाथ भी ले लेते हैं। दरअसल, कुछ दिन पहले इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी की एक साथ रेस्टोरेंट से बाहर निकलने और कार में साथ बैठकर जाने वाली वीडियो वायरल

डिजिटल अवसंरचना के लिए 23 अरब डॉलर की जरूरत

नई दिल्ली। देश में डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग और ऑनलाइन उपयोग को समर्थन देने के लिए डिजिटल अवसंरचना क्षेत्र में 2025 तक 23 अरब अमेरिकी डॉलर तक के निवेश की जरूरत है। डिजिटल अवसंरचना प्रदाता संघ (डीआईपीए) के सहयोग से हाल में जारी अर्नेस्ट एंड यंग (ईवाई) की एक संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि लोगों को ऑनलाइन जोड़ने के लिए 2025 तक भौतिक डिजिटल अवसंरचना में महत्वपूर्ण निवेश जरूरी है।

इस सप्ताह के अंत तक टाटा की हो जाएगी एयर इंडिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने जानकारी
- टाटा संस की बोली की गई थी स्वीकार

एयर इंडिया को इस सप्ताह के अंत तक टाटा समूह को सौंपा जा सकता है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकार ने एक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए पिछले साल आठ अक्टूबर को टाटा संस की एक कंपनी की तरफ से लगाई गई बोली को स्वीकार कर एयर इंडिया के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। एयर इंडिया के साथ उसकी किफायती विमान सेवा एयर इंडिया एक्सप्रेस की भी शत-प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री की जाएगी। साथ ही उसकी ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी एआईएसएटीएस की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा समूह को दी जाएगी। उस समय सरकार की तरफ से कहा गया था कि इस अधिग्रहण से जुड़ी औपचारिकताओं को दिसंबर के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा, हालांकि बाद में इसमें देरी हुई। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि इस सौदे को लेकर बाकी औपचारिकताएं अगले कुछ दिनों में पूरी होने की उम्मीद है और इस सप्ताह के अंत तक विमानन कंपनी को टाटा समूह को सौंप दिया जाएगा। सरकार ने 25 अक्टूबर को 18,000 करोड़ रुपये में एयर इंडिया की बिक्री के लिए टाटा संस के साथ खरीद समझौता किया था।

भारत की ईंधन मांग में सुधार जारी रहेगा : फिच

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी से संबंधित प्रतिबंधों में ढील के साथ ही आर्थिक गतिविधियां तेज होने से चालू तिमाही में भारत में ईंधन मांग में सुधार जारी रहेगा। फिच रेटिंग्स ने यह अनुमान लगाया है। संक्रमण के मामले बढ़ने और अर्थव्यवस्था तथा गतिशीलता पर इसके असर की आशंका के चलते जोखिम भी बने हुए हैं।

टाटा टेक्नोलॉजीज करेगी 3000 नवोन्मेषकों की नियुक्ति

नई दिल्ली। वैश्विक इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास डिजिटल सेवा फर्म टाटा टेक्नोलॉजीज ने सोमवार को कहा कि वह अपने विस्तारित प्रतिभा अधिग्रहण कार्यक्रम के तहत अगले 12 महीनों में 3,000 से अधिक नवोन्मेषकों को नियुक्त करेगी। कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना है, जिसमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु सहित अन्य कई राज्य शामिल हैं।

रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ 74.62 प्रति डॉलर

मुंबई। भू-राजनीतिक चिंताओं के बीच विदेशी मुद्रा बाजार से निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट के कारण विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ 74.62 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। जोखिम वाली परिसंपत्तियों के प्रति निवेश धारणा कमजोर होने से भी रुपये में गिरावट आई।

स्विगी ने इन्वेस्को, अन्य से 5,225 करोड़ रु. जुटाए

नई दिल्ली। खाना ऑर्डर करने और डिलिवरी की सुविधा देने वाले ऑनलाइन मंच स्विगी ने निवेश कंपनी इन्वेस्को और अन्य निवेशकों से 70 करोड़ डॉलर (करीब 5,225 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। एचएसबी लेट स्टेज टेक फंड, कोटक, एक्सिस ग्रोथ एवेन्यूज एआईएफ-आई, सिक्सटीन स्ट्रीट कैपिटल, घिसालो, स्माइल ग्रुप और सेगांटी कैपिटल शामिल हैं।

निवेशकों को 80सी के तहत मिलती है एक वर्ष के लिए छूट

कर बचत के लिए ईएलएसएस में लगा सकते हैं पैसा, तीन साल होता है लॉक-इन पीरियड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कंपनी आदि में नौकरीपेशा व्यक्ति टैक्स बचाने के लिए इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश कर एक वित्त वर्ष में अधिकतम 48,600 रुपए बचा सकते हैं। कई लोग इसे टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड भी कहते हैं। इसमें तीन साल का लॉक-इन पीरियड है। हालांकि, निवेश के ज्यादातर हिस्से को शेयर मार्केट में लगाया जाता है, जिससे इस पर जोखिम रहता है। इसमें निवेश पर 80सी के तहत छूट मिलती है। 80सी में एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक टैक्स छूट मिलती है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

ईएलएसएस में निवेश के लिए केवाईसी जरूरी। फंड हाउस के ब्रांच ऑफिस या रजिस्ट्रार ऑफिस में चेक के साथ फॉर्म भरना पड़ता है। फंड हाउस की वेबसाइट या एग्रीगेटर्स के जरिए ऑनलाइन भी ईएलएसएस में निवेश कर सकते हैं। निवेश शुरू होने पर फोलियो नंबर मिलता है, जिसकी मदद से भविष्य में ईएलएसएस योजनाओं में निवेश कर सकते हैं।

एकमुश्त न लगाएं पैसा

ईएलएसएस म्यूचुअल फंड योजनाओं में एसआईपी के जरिए या फिर एकमुश्त निवेश किया जा सकता है। शेयर मार्केट से जुड़ाव के कारण ईएलएसएस में कभी भी एकमुश्त निवेश नहीं करना चाहिए। एसआईपी के जरिए हर महीने निवेश करें। इसमें जोखिम का खतरा कम होता है। फंड हाउस भी लोगों को न्यूनतम 500 रुपए से ईएलएसएस में निवेश शुरू करने की सलाह देते हैं।

मैच्योरिटी पर देना होगा टैक्स

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में एक साल से ज्यादा समय तक लगाए पैसे पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स लगता है। एक वित्त वर्ष में अगर ईएलएसएस म्यूचुअल फंड से गेन्स एक लाख रुपए से ज्यादा है तो बिना इंडेक्सेशन बेनिफिट 10 प्रतिशत टैक्स लगता है। एक लाख रुपए तक का गेन टैक्स के दायरे में नहीं आता है।

अधिकतम लाभ इस तरह

टैक्स सेविंग फंडों में निवेश की अधिकतम सीमा नहीं है, लेकिन 80सी के तहत एक वित्त वर्ष में केवल 1.5 लाख तक ही छूट का दावा कर सकते हैं। ईएलएसएस में एक वित्त वर्ष में निवेश कर आप अधिकतम 48,600 रुपए बचा सकते हैं। इसमें निवेश की कोई सीमा नहीं है। मान लीजिए, आप ईएलएसएस में एक वित्त वर्ष में 1.5 लाख निवेश करते हैं तो 30 फीसदी के उच्च टैक्स स्लैब के हिसाब से आपको 45,000 रुपए की छूट मिलेगी। चार फीसदी सेस यानी 1,800 रुपए की और बचत होगी। इस तरह, आप अधिकतम 46,800 रुपए बचा सकते हैं।

सैट अब सेबी के अधिकारियों को नहीं कर पाएगा तलब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अधिकारी को प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के समक्ष पेश होने के आदेश पर रोक लगा दी है। सैट ने अनुचित व्यापार व्यवहार के मामले में सेबी के न्याय-निर्णय अधिकारी को पेश होने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की पीठ ने सैट की मुंबई पीठ के दिए आदेश को चुनौती देने वाली सेबी की अपील पर न्यायाधिकरण को नोटिस जारी किया है। शीर्ष अदालत ने सैट के आदेश के उस हिस्से पर भी रोक लगा दी है जिसमें न्याय-निर्णय अधिकारी को हलफनामा देकर यह स्पष्ट करने को कहा गया था कि पक्ष द्वारा देरी के लिए दी गई दलील को 'साधारण' तरीके से क्यों लिया गया था? सैट ने अपने 16 दिसंबर, 2021 के आदेश में याचिकाकर्ता यतिन पांड्या की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए कहा था कि सेबी के अधिकारी ने मामले को 'लापरवाही' से निपटाया, जो अपने कर्तव्य से ईमानदारी नहीं है। पांड्या ने न्याय-निर्णय अधिकारी के मूल आदेश को चुनौती देते हुए सैट में अपील दायर की थी।

यामाहा का इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच, मार्केट में आते ही हिट हुआ ईएमएफ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यामाहा ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर ईएमएफ लांच कर दिया है जो गोगोरो के साथ साझेदारी में लांच किया गया है। 2019 में ईसी-05 के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में कदम रखने के बाद ये कंपनी का दूसरा इलेक्ट्रिक स्कूटर है। यामाहा ही नहीं हीरो मोटोकॉर्प ने भी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के लिए गोगोरो के साथ साझेदारी की है। वाहन निर्माता ने गोगोरो के साथ साझेदारी कुछ फायदों को देखते हुए की है जिनमें बैटरी स्वैपिंग स्टेशन के लिए पुख्ता नेटवर्क और बैटरी के बेहतर आर्किटैक्चर के अलावा अन्य लाभ शामिल हैं। दोनों कंपनियों के लिए ये लाभदायक सौदा है। फीचर्स पर नजर डालें तो इसके साथ फ्लैट फ्रंट एप्रॉन, एलईडी हेडलाइट, डिजिटल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर, अनोखे स्टाइल के एलईडी लाइट्स और सिंगल-पीस सीट दी गई है। इसके अलावा फ्लोरबोर्ड पर थोड़ा सामान रखने के लिए छोटा स्टोरेज बॉक्स दिया गया है। भारतीय मुद्रा में इसकी कीमत करीब 2.77 लाख रुपए है।

फियो को बजट में निर्यात को बढ़ावा देने वाले उपायों की आस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- निर्यातकों के संगठन ने कई उत्पादों पर सीमा शुल्क हटाने की मांग की
- देश से बाहर जाने वाली खेप की संख्या बढ़ाने कई कदम उठाए जाए

निर्यातकों ने सरकार से अगले सप्ताह पेश होने वाले बजट में निर्यात संवर्द्धन की दिशा में जरूरी कदम उठाने का अनुरोध करते हुए कहा है कि कई उत्पादों पर सीमा शुल्क हटाने की भी जरूरत है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने बजट से अपनी अपेक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा है कि देश से बाहर जाने वाली खेप की संख्या बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए जाने चाहिए। इसके साथ ही उसने प्लास्टिक से बने उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाने की भी जरूरत बताई है। निर्यातकों के संगठन ने बजट में लॉजिस्टिक से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देने और एमएसएमई को समर्थन के लिए भागीदारियों एवं एलएलपी पर आयकर में कटौती की भी मांग की है। मालवहन की लागत बढ़ने और वैश्विक पोत-परिवहन कंपनियों पर निर्भरता होने से निर्यात क्षेत्र गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है। महासंघ ने बड़ी भारतीय कंपनियों से वैश्विक स्तर की एक भारतीय पोत-परिवहन श्रृंखला तैयार करने का आह्वान किया है। फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, 'निर्यातकों खासकर एमएसएमई के लिए विदेशी बाजार बड़ी चुनौती बने हुए हैं। अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए दोहरी कर कटौती योजना लाने की हमें जरूरत है जिसमें पांच लाख रुपये की आय सीमा रखी जाए।' भारतीय प्लास्टिक निर्यात संवर्द्धन परिषद के चेयरमैन अरविंद गोयनका ने प्लास्टिक से बने उत्पादों पर लगने वाले आयात शुल्क को पॉलिमर की तुलना में कम-से-कम पांच फीसदी ज्यादा रखने का सुझाव दिया है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)